

# 2017

## माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय



परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Hindi [GENERAL]	0 5 1	English
स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगाये		
क्रमांक	2765482	
परीक्षार्थी का रोल नम्बर		
2	7	4 2 2 8 6 5 5
two	seven	four two two eight six five five

परीक्षार्थी नाम भरना है

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में one शब्दों में 1

ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 09

ग - परीक्षा का दिनांक 07 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

**H.S.S. EXAM** **421017**

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर  
ममता ओरा  
Mamata

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर  
*[Signature]*

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा  
*[Signature]*  
30446

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा  
*[Signature]*  
B.S. KUSHWAHA (ADHYAPAK)  
GOVT. EXCE. H. S. SCHOOL  
SEONDHA DISTT. DATIA (M.P.)  
28123

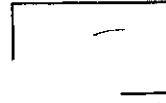
केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।		
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।		
प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल प्राप्तांक शब्दों में		केवल प्राप्तांक

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

2



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पूरा अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र. 1

प्रश्न-1 उचित \_\_\_\_\_ पूर्ति कीजिए :-

उत्तर-1

(i) 478 ई ✓ 581 ई

(ii) निबंध ✓

(iii) कवीश्वरनाथ रेणु ✓

(iv) 142 ✓

(v) गुलाब राय ✓

B  
S  
E

प्रश्न-2 निम्नलिखित \_\_\_\_\_ विकल्प चुनिये -

उत्तर-2

(i) → (स) बादल ✓

(ii) → (स) सत्याग्रह ✓

(iii) → (द) 1915 ✓

(iv) → (ब) वर्षा ✓

(v) → (स) कमल ✓

3

$$\boxed{\phantom{00}} + \boxed{\phantom{00}} = \boxed{\phantom{00}} \boxed{\phantom{00}}$$

योग एवं मध्य

घट 3 का अंक

उ 7



प्र.क्र. 3

प्रश्न-3) सत्य / असत्य

उत्तर-3)

(i) सत्य ✓

(ii) असत्य ✓

(iii) सत्य ✓

(iv) असत्य ✓

(v) असत्य ✓

B  
S  
E

प्रश्न-4

उत्तर-4

स्तम्भ 'क'

स्तम्भ 'ख'

(i) तीन बच्चे

(फ) सुमित्राकुमारी चौहान

(ii) यशोधरा की ब्यथा

(अ) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) पुस्तक

(ब) निर्बंध

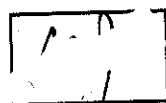
(iv) रहिमन विलास

(इ) रहीम

(v) शौर्य गाथा

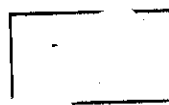
(अ) शूषण

4



योग पूर्व पृष्ठ

+



4 के अंक



कुल अंक



प्रश्न क्र. 5

प्रश्न-5

निम्नलिखित \_\_\_\_\_ एक वाक्य में दीजिए -

उत्तर-5

(i)

गांधीजी के अनुसार सच्ची शिक्षा 'कर्तव्य' का बोध कराती है।

(ii)

गंगा का खोल

(iii)

धर्मधारय समास

(iv)

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं।

B

S (v)

E

'कर' शब्द अंग्रेजी के 'कर' (कर) शब्द का पर्याय है।

प्रश्न-6

सोमवती --- गई ?

उत्तर-6

सोमवती बुझने पर चांदनी रवीन्द्रनाथ टैगोर के खिड़की और दरवाजे से झाँकती हुई पूरे कमरे में फैल गई। सारा वातावरण जगमगा उठा जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने खिड़की के पार देखा तो उनका तन बदन चांदनी में नहा गया। इस प्रकार चांद की दुधिया रोशनी पूरे कक्ष में फैल गई।

5

?

योग पूर्व पृष्ठ

+

1

पृष्ठ 5 के अंक

=

कुल अंक



### प्रश्न - 7

7 राजा का --- था ?

7 राजा का चुनाव इसलिए आवश्यक था क्योंकि जो राजा राज्य करता था उसकी मृत्यु हो गई थी। और राजा के कोई संतान भी नहीं थी जो उनके बाद उनका राज-कार्य संभाल सके। मंत्रीजी भी बहुत वृद्ध हो चुके थे तथा राज-कार्य से छुटकारा चाहते थे। इसलिए राजा का चुनाव आवश्यक हो गया था।

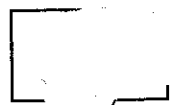
### प्रश्न - 8

8 शारतेन्दु --- लिखिए ?

8 शारतेन्दु युग का समय सन् 1850 से 1900 ई. तक माना जाता है। इस युग की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

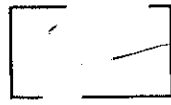
- (अ) इस युग में राजनीतिक सजगता स्पष्ट दिखाई देती है।
- (ब) इस युग के लेखकों में राष्ट्रीय चेतना का भाव विद्यमान था।

6



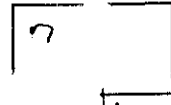
यों। पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ ० के अंक

=



उ. 1 अंक



लेखक

रचना (कृति)

(अ)

बालकृष्ण सह

मेला - ठेला

(ब)

प्रतापनारायण मिश्रा

वृद्ध, दांत

प्रश्न - 9

प्र. 9

शुक्ल - - - नाम लिखो :-

B3=9  
S  
E

शुक्ल युग का समय सन् 1920 से 1940 ई. तक माना जाता है। इस युग की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

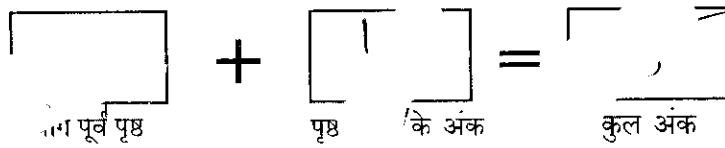
(अ) इस युग में गंभीर तथा विचार प्रधान निबंध अधिक लिखे गए। समास शैली का प्रयोग किया गया।

(ब) समसामयिक प्रश्न और समस्याओं को लेकर निबंध लिखे गए।

इस युग के निबंधकार हैं :-

निबंधकार :- वियोगी हरि, महादेवी वर्मा

7



प्रश्न - 10

पर्यायवाची

(i) कमल :- पंकज, सरोज, जलज, अंबुज

(ii) गाँगा :- देवकी, सुरसरि

प्रश्न - 11

समास विग्रह

शब्द	समास विग्रह	समास का नाम
(i) कमल नयन	कमल के समान नयन	कर्मधारय समास
(ii) नवरत्न	नौ रत्नों का समाहार	द्विगु समास

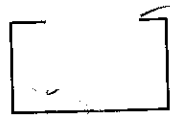
प्रश्न - 12

निम्नलिखित -- -- काजिए -

(i) दिन - दीन

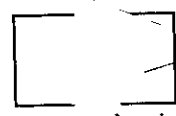
दिन → दिवस

8

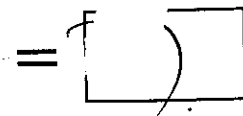


योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 8 के अंक



कुल अंक



न क्र.

श्याम को सप्ताह में एक दिन आराम करने की आदत है।

हमें दिन - दुखियों की सेवा करनी चाहिए।

(ii) नींद - निन्द्य

नींद → निद्रा (शोना)  
मुझे तो कल रात नींद ही नहीं आई।

निन्द्य → बुरा  
आतंकवाद निन्द्य कृत्य है।

प्रश्न - 13

प्र. 13 लोकोक्तियाँ :-

(i) अन्धा पीसे कुत्ता खाए :- परिश्रम कोई करे और लाभ कोई उठाए  
नेहा परीक्षा में दूसरों को बताती रही और उसका प्रश्न - पत्र पूरा न कर सकी। सही कहा गया है अंधा पीसे कुत्ता खाए।

(ii) आंख के अन्धे नाम नयन सुसुख :- नाम के अनुसार गुण होना



9

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पूर्व पृष्ठ                      पृष्ठ 9 के अंक                      कुल अंक



मेरे भाई का नाम तो प्रेम है परन्तु वह किसीसे प्यार प्यार से बात नहीं करता। उस पर यही उक्ति चरितार्थ है आश्व के अर्ध नाम (नयन सुख)।

प्रश्न - 14

प्र. 14 विलोम शब्द -

- (i) सज्जन
- (ii) कृतज्ञ
- (iii) सजीव
- (iv) पराधीन

- दुर्जन
- कृतघ्न
- निर्जीव
- स्वाधीन

प्रश्न - 15

प्र. 15 भिन्नार्थक समोच्चारित

(i) छात्र - क्षात्र  
छात्र → विद्यार्थी

प्रत्येक छात्र को ध्यान लगाकर पढ़ना चाहिए

क्षात्र → क्षात्रिय  
सहाराणा प्रताप एक वीर क्षात्र थे।

10

$$\boxed{\phantom{0}} + \boxed{\phantom{0}} = \boxed{\phantom{0}}$$



न क्र. 10  
(11) वसन - व्यसन

वसन → वस्तु  
मनुष्यों को वसन धारण करके रहना चाहिए

व्यसन → बुरी आदत  
व्यसन से जीवन नष्ट हो जाता है।

प्रश्न - 16

B प्र. 16) रहीम --- दिया है ?

S  
E 16 कविवर 'रहीम जी' ने अपने नीतिगत  
दोहों में धन को बहुत ही महत्व दिया है  
क्योंकि धन के अभाव में कोई भी व्यक्ति  
अधिक मित नहीं बना सकता। धन में  
मित बनाने की शक्ति होती है। धनहीन  
मनुष्य से कोई भी मितता नहीं करना  
चाहता और जैसे ही वह व्यक्ति धनवान  
बनता है, सब उसके मित बनने के लिए  
आतुर हो उठते हैं।

आज के इस शैतिकवादी युग में  
धन ही मनुष्य के लिए सब कुछ बन गए  
हैं इसलिए भी कवि ने धन को  
महत्वपूर्ण बताया है।

11

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ के अंक

उत्तर अंक



क्र. 17

### प्रश्न - 17

प्र. 17 कवि ने ..... उल्लेख करो ?

कवि श्री गोपाल सिंह 'नेपाली' जी ने हमारे अर्थात् भारतवासियों और हिमालय के कई सम्बन्ध बताए हैं, उनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं :-

(अ) जिस प्रकार हिमालय पर्वत पर सूर्योदय और सूर्यास्त की लालिमा समान रहती है, उसी प्रकार भारतवासी दुःख - सुख को समान भाव से अपनाते हैं।

(ब) तुफानों से टकराकर उन्हें रोकने की जो क्षमता हिमालय में है वही क्षमता भारतवासियों में भी है अर्थात् भारतवासी भी किसी भी मुश्किल से टकराकर उस पर आसानी से विजय प्राप्त कर सकते हैं।

(स) हिमालय की तरह भारतवासी भी अपने निर्णय पर अटल, अडिग और अविचल रहते हैं।

### प्रश्न - 18

प्र. 18 " हम कहाँ ..... है ?

12

[ ]

+

[ ]

=

[ ]

योग पूर्व

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक



क्र. (18)

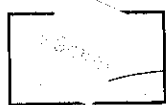
हम कहाँ जा रहे हैं " कविता में कवि श्री 'सुदर्शन प्रियदर्शनी' ने यह संदेश दिया है कि हम अपनी छद्म प्रवृत्ति को उतार फेंके। बह्म आडंबर को नष्ट कर दें। तथाकथित पश्चिमी सभ्यता के पीछे भागना बंद करें। अपनी संस्कृति व सभ्यता को पहचाने और उसका पालन करें। कवि का कहना है कि हम भारतीय पश्चिमी सभ्यता की चीजों को देखकर ललच रहे हैं एवं अपनी उपलब्धियों को नकार रहे हैं। यह शुभ संकेत नहीं है। हमारी संस्कृति और सभ्यता दुनिया में श्रेष्ठ है। अतः हम हमें भारतीय ही बने रहना चाहिए। इसीमें हमारा कल्याण है।

प्रश्न - 19

बाढ़ पीड़ितों --- गई ?

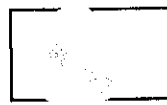
जब लेखक 'बाबु गुलाबराय जी' का गाँव जलमग्न हो गया और सभी और लोग मदद की गुहार लगाने लगे तो पड़ोस के गाँव के लोगों ने और सरकार ने उन्हें अन्न वस्त्रादि देकर उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ पूरी की। कॉलेज के विद्यार्थियों ने सिलीपरो की सड़के बनाकर लोगों को

13



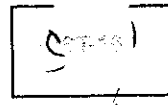
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 10 के अंक

=



कुल अंक



निकाला। विद्यालय तथा सभी शैक्षणिक संस्थान में लोगों को आश्रय दिया गया। लेखक को सी जैन बॉर्डिंग में आश्रय मिला। लोगों के घर के आस-पास से पानी निकाला गया और मिट्टी डाली गयी। इस प्रकार बाढ़ पीड़ितों की सहायता की गई।

प्रश्न - 20

प्रश्न) दुनियाँ में ..... अधिक थी ?

उ-20) 'काका कालेलकर' जी के अनुसार दुनियाँ में दो अमोघ शक्तियाँ हैं - शब्द और कृति। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि शब्दों ने पूरी दुनियाँ को हिलाकर रख दिया है परन्तु अन्तिम शक्ति तो कृति की ही है।

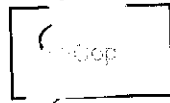
कस्तूरबा की निष्ठा कृति में अधिक थी। वे काम को कर दिखाने में अधिक विश्वास रखती थी। वे ज्यादातर जवाब हाँ या ना कहकर दे देती थी कोई लम्बा-चौड़ा साधन नहीं सुनाया करती थी। उन्होंने कृति की शक्ति से ही जीवन सिद्धी प्राप्त की।

14



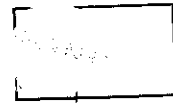
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 14 के अंक

=



कुल अंक



क्र. 21

प्रश्न 21

प्रश्न - 21

प्र. 21 केरल के ----- हैं ?

उत्तर 21 दक्षिण भारत की यात्रा के दौरान लेखक श्री विनयमोहन शर्मा ने केरल की श्री यात्रा की थी। उन्होंने केरल के गाँवों की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई हैं :-

(अ) केरल में हरियाली हर स्थान पर फैली हुई है। यहाँ की चप्पा-चप्पा जमीन हरी-भरी है।

(ब) केरल के प्रत्येक स्कूल में हिन्दी भाषा का अध्ययन कराया जाता है। हिन्दी यहाँ पर परीक्षा की अनिवार्य भाषा है।

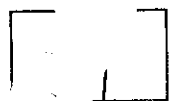
(स) केरल के प्रत्येक गाँव में एक स्कूल, एक दवाखाना, पोस्ट ऑफिस आदि अवश्य होते हैं।

(द) गाँवों में बिजली हमेशा उपलब्ध रहती है।

प्रश्न - 22

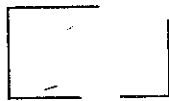
प्र 22 यशोदा ----- भेजा ?

उत्तर 22 जब कृष्ण मथुरा चले गए तो माँ यशोदा पथिक उद्धव के माध्यम से देवकी को संदेश भेजती है कि जैसे तो वे कृष्ण की दाय



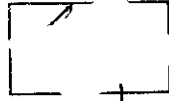
पृष्ठ 15 के अंक

+



पृष्ठ 15 के अंक

=



कुल अंक



है और घाय बच्चे के विषय में माँ से कुछ कहे यह उचित नहीं है परन्तु वे फिर भी कृष्ण प्रेम के कारण स्वयं को रोक नहीं पा रही हैं। वे देवकी से कहती हैं कि जैसे तो तुम कृष्ण की सभी आदतों एवं रुचियों से परिचित हो फिर भी मैं तुम्हें कहना चाहती हूँ कि सुबह होते ही लाड़ले कन्हैया को माखन - रोटी खाने की आदत

। वे आगे कहती हैं कि कृष्ण नहाने में बहुत नखरे करते हैं। कन्हैया गरम पानी, तेल और उबटन देखकर भाग जाते हैं। नहाने के लिए वो जो-जो माँगती है, मैं उसे वो सभी चीज़ें देती हूँ। अंत में माता यशोदा कहती हैं कि उनका लाड़ला पुत्र बड़ा संकोची है तो कहीं ऐसा न हो की देवकी तुम्हारे डर से उसे मन मारना पड़ जाए। अतः देवकी तुम्हें ही कृष्ण की रुचियों रुचियों एवं आदतों का ध्यान रखना होगा।

### प्रश्न - 23

प्र. 23) लोगों की सिरचन - - - - - कीजिए।

उत्तर 23) मनुष्यों की प्रत्येक चीज़ के लिए अच्छी और बुरी दोनों प्रकार की धारणाएँ होती हैं। उसी

16

$$\boxed{\phantom{00}} + \boxed{\phantom{00}} = \boxed{\phantom{00}}$$

योग पूर्व पृष्ठ                      पृष्ठ 10                      अंक                      कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रकार लोगों की सिरचन के प्रति भी अच्छी और बुरी दोनों प्रकार की धारणाएँ थी। कुछ लोग तो उसे एक कुशल कारीगर मानते थे जो केवल पारिश्रमिक को ध्यान में रखकर काम नहीं करता। ऐसे लोग उसका सम्मान करते थे और मानते थे कि उसके जैसी शीतलपाटी, चिक, जाले आदि कोई नहीं बना सकता। दूसरी ओर गाँव के कुछ लोग तो सिरचन को काम चोर, चक्कर, चटोर, आल्सी, मुँह फट आदि भी मानते थे। ऐसे लोग उसे बेकार ही नहीं 'बेगार' भी समझते थे।

B  
S  
E

### प्रश्न - 24

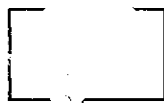
प्र. 24 निम्नलिखित लिखिए :-

जागो ----- कहाऊँगा ।”

उत्तर 24)

- संदर्भ :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'संस्कृत' के पाठ - 9 'जागो फिर एक बार' से ली गई हैं। इसके कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी हैं।
- प्रसंग :- इन पंक्तियों में कवि भारतवादी को नवजागरण का उद्बोधन देते





योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 17 क अंक

=



। अंक



भारतीयों को प्रेरित करने के लिए वे हमारे गौरवमय अतीत को भी सहारा लेते हैं।

व्याख्या :- कवि भारतवासियों को स्वतंत्रता प्राप्ति के महासंग्राम में वीर की भाँति संघर्ष करने की प्रेरणा देते हुए कहते हैं कि जो वीर देश के लिए अपने प्राणों की बलि लगा देता है उसका श्रुणुगान सभी भारतवासी करते हैं। वह सभी के दिलों में उमर हो जाता है।

कवि भारत के अतीत से शुरू गोविंद सिंह का उदाहरण देते हैं। वे कहते हैं कि शुरू गोविंदसिंह ने तो अपने सैनिकों को कहा था कि मेरा प्रत्येक सैनिक सवा-सवा लाख अनुओं को मारकर ही मरेगा। अर्थात् कवि भी इस बात से भारतीयों को अपनी ताकत को पहचानकर उसके अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

विशेष :-

(i) राष्ट्रीय नवजागरण का उद्बोधन दिया गया है।

(ii) पद मुक्तक छंद में लिखा गया है। लयात्मकता और तुकात्मकता नहीं है।

(iii) भाषा सरल तथा सुबोध है।

(iv) सवा-सवा में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।

18

$$\boxed{\text{पृष्ठ}} + \boxed{\text{रु अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



प्रश्न - 25

प्र. 25 निम्नलिखित दीजिए -  
शिक्षा का \_\_\_\_\_ रही है।

उत्तर- 25  
(i) 'शिक्षा का उद्देश्य उद्देश्य'

(ii) बेरोजगारी

B (iii) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना  
S है परन्तु वर्तमान शिक्षा प्रणाली से ऐसा कोई  
E लाभ नहीं हो रहा है।

(iv) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना।  
उनमें आत्म निर्भरता की भावना भरना तथा  
देशवासियों का चरित्र निर्माण करना है।

प्रश्न - 26

प्र. 26 "ठान लोणे - - - - - न देना ॥"

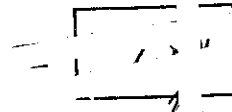
उत्तर- 26  
(i) 'देश की स्वाधीनता'

(ii) काली घटा का तात्पर्य संकट से है। अर्थात्  
देश के सम्मान पर कोई आघात आना।

19



+



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक



(iii) कवि देशवासियों और नवयुवकों को देश की रक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहते हैं कि देश के गौरव के लिए तुम हँसते - हँसते अपने प्राण दे देना परन्तु देश की स्वाधीनता पर कोई आँच न आने देना ।

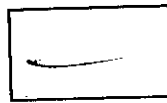
P.T.O.

20



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 20 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

### प्रश्न - 27

प्र. 27

अपनी बोर्ड ----- पत्र लिखिए ।

21, अवाहर नगर  
खरगोन (म.प्र.)

07/03/2017

आदरणीय पिताजी,

सादर चरण स्पर्श !

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी ठीक होंगे। आपने पिछले पत्र में मुझसे मेरी बोर्ड परीक्षा की तैयारी की सूचना माँगी थी परन्तु मैं अपनी पढ़ाई में व्यस्त होने के कारण जवाब न भेज सका।

मैंने अपनी परीक्षा की लगभग पूरी तैयारी कर ली है। मैं प्रारंभ से ही सभी विषयों को पढ़ता रहा इसलिए मुझे ज्यादा परेशानी नहीं हो रही है। मैंने भौतिक विज्ञान, हिन्दी और गणित की तो अच्छी तैयारी कर ली है परन्तु मुझे रसायन में थोड़ी क्लिप्त आ रही है। इसलिए मैंने रसायन की दृष्टान भी चालु कर दी है। मैं प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से रात 11:30 तक पढ़ता हूँ। मैंने अपनी तरफ से कोई भी कमी नहीं छोड़ी है। मैं आपके कहे अनुसार एक निश्चित टाइम टेबल से पढ़ता हूँ। मुझे लगता है कि मैं परीक्षा में

B  
S  
E

21

[ ]

+

[ ]

=

[ ]

भाग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 21 के अंक

जुल अंक



अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो आपकी आशाओं को पूरा कर सकूँगा। शेष आपका आशीर्वाद और प्रभु की इच्छा पर निर्भर है।  
 माताजी को भी सादर प्रणाम और छोटी को प्यार।

आपका आशाकरी पुत्र  
 अ-व-स

पत्र का बाहरी माध्यम

डाक  
 टिकट

प्रति,  
 श्रीमान् रमेश पाठे  
 18, गांधी बाटीका  
 इन्दौर (म.प्र.)

प्रेषक :  
 अ-व-स

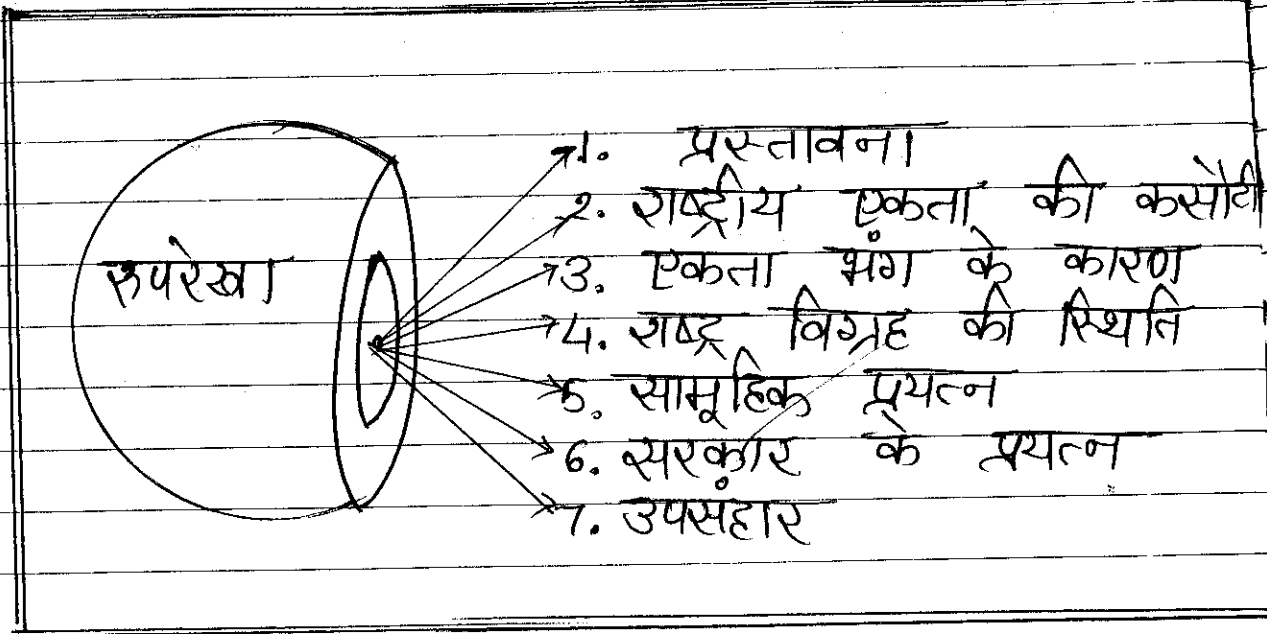
प्रश्न क्र.

प्रश्न - 28

खण्ड क (अ)

प्र. 28

(i) राष्ट्रीय एकता



B  
S  
E

“हम सभी हैं अलग - अलग, अलग - अलग हैं  
 बंधारी - बंधारी ।  
 लेकिन हम सब से मिलकर ही इस उपवन  
 की शोभा सारी ॥”

1. प्रस्तावना :- भारत एक ऐसा देश है जहाँ  
 विभिन्न संप्रदाय, जाति, वर्ग, धर्म  
 आदि के लोग एक साथ प्रेम से रहते हैं।  
 हमारे देश में सभी धर्मों का समान  
 रूप से सम्मान होता है। प्राचीन समय से  
 ही भारत में साम्प्रदायिक एकता विद्यमान है।  
 जिसके कारण पूरा राष्ट्र एकता के एक रेशे  
 में बंधा हुआ है। अनेकता में एकता ही



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 23 के अंक

=



कुल अंक



हमारे देश की सबसे बड़ी पहचान है।

राष्ट्रीय एकता की कसौटी :-

हम यह बहुत आसानी से कह सकते हैं कि हमारे राष्ट्र भारत में एकता है क्योंकि यहाँ प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की मदद के लिए तत्पर रहता है।

एकता भंग के कारण :- हमारे भारत में सभी प्रेम से रहते हैं परन्तु कभी-कभी हमारी राष्ट्रीय एकता पर संकट आ जाता है। यह हमारी सोच नहीं होती बल्कि कोई दूसरे देश की कुटनीति के कारण हमारे यहाँ यह समस्या उत्पन्न होती है।

“राष्ट्र की एकता भंग होने का अशिक्षा है कारण।  
जल्द से जल्द करना होगा इसका निवारण ॥”

राष्ट्र विग्रह की स्थिति :- हमारे राष्ट्र भारत को तोड़ने के लिए बहुत सी बाहरी शक्तियाँ तत्पर हैं परन्तु यदि हम अपनी समझदारी से काम लें तो हम इस बहुत आसानी से समस्या को बहुत आसानी से हरा

24



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 24 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

सकते हैं।

5. सामूहिक प्रयत्न :- राष्ट्रीय एकता के बनाने का कार्य कोई एक व्यक्ति नहीं कर सकता बल्कि इसके लिए सभी देशवासियों को अपने धर्म, जाति, वर्ग से ऊपर ऊठकर देश के लिए आगे आना होगा। सभी के सामूहिक प्रयत्न से ही राष्ट्र में एकता बनी रह सकती है। इसीलिए कहा गया है :-

B  
S  
E  
“ हिन्दु - मुस्लिम - सिख - ईसाई हम सब भाई-भाई  
मातृभूमि भारत हम सबकी हम सब भाई-भाई ॥”

6. सरकार के प्रयत्न :- सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए अनेक प्रयत्न किए गए परन्तु केवल सरकार एकता नहीं बनाए रख सकती। यह हम सबको मिलाकर ही करना होगा। सरकार सभी धर्मों एवं जातियों को एक समान समान मानकर सभी को एक जैसे अधिकार देती है। अमेरिका के एक सर्वे से पता चला है कि केवल भारत ही ऐसा देश है जहाँ इतने धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं।





परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय

विषय कोड

परीक्षा का माध्यम

परीक्षा का दिनांक

07 03 2017

Hindi 051 English

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

421017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

ममता ओरा

Mamata

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

[Signature]

मुख्य उत्तर पुस्तिका के आंतिम पृष्ठ क्रमांक..... तक कुल प्राप्तांक  +  =

7. उपसंहार :- राष्ट्रीय एकता उन्नति के लिए एक बहुत जरूरी पहलु है। केवल सरकार एक राष्ट्र में एकता बनाए नहीं रख सकती, यह कार्य तो नागरिकों के हाथ में होता है। वे ही एकता बनाए रख सकते हैं और वे ही एकता संगी कर सकते हैं। इसीलिए सभी लोगों को धर्म से बढ़कर देश के लिए सोचना होगा।

“चाहे जो हो धर्म तुम्हारा चाहे जो हो जाति, नहीं जी रहे अगर देश के लिए तो अपराधि हो।”

26

2

$$\boxed{\phantom{00}} + \boxed{\phantom{00}} = \boxed{\phantom{00}}$$

य। पूर्व पृष्ठ                      पृष्ठ / 2                      क                      कुल अंक



प्रश्न क्र.

खण्ड (ब)

5870

(i) बेरोजगारी की समस्या

रूपरेखा :-

1. प्रस्तावना
2. बेरोजगारी के प्रकार
3. बेरोजगारी के प्रमुख कारण
4. बेरोजगारी का प्रभाव
5. मरिचक पर प्रभाव
6. सरकार द्वारा किए प्रयत्न
7. उपसंहार

B  
S  
E

अंत